संक्षिप्त समाचार

तुलसीनगर में गंदा पानी आने पर जलाया विभाग का पुतला

हल्द्वानी, एजेंसी। तुलसीनगर वार्ड पांच में कई दिनों से घरों में गंदा पानी आने से नाराज लोगों ने रविवार को पूर्व पार्षद मुन्ना पोखरिया के नेतृत्व में जल संस्थान का पुतला जलाकर नाराजगी जताई। तुलसीनगर पॉलीशीट क्षेत्र में पानी के साथ सीवर आने की शिकायत पर जल संस्थान की टीम रविवार को जांच करने मौके पर पहुंची। शाम तक कई स्थानों पर खुदाई करने के बाद भी लाइन में सीवर का पानी मिश्रित होने के कारणों का पता नहीं लगा। काठगोदाम क्षेत्र के तुलसीनगर स्थित पॉलीशीट क्षेत्र में पेयजल लाइन से गंदा पानी पहुंचने के मामले का जल संस्थान ने रविवार को संज्ञान लिया। मौके पर टीम के साथ जांच करने पहुंचे सहायक अभियंता नीरज तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में दो पेयजल लाइनों से पानी बांटा जाता है। इसमें पुरानी लाइन गौला से होते हुए कॉलोनियों में पानी की आपूर्ति करती है जबकि नई लाइन को आस्था विहार के नलकूप से जोड़ा गया। नई लाइन से रात में डेढ़ घंटे आपूर्ति होती है। कहा कि आवश्यकता को देखते हुए नई लाइन से सभी घरों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। पुरानी लाइन से लोगों को पानी भरने या पीने के लिए मना किया गया है। कहा कि लाइनों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही गंदा पानी आने की समस्या का कारण पता चल सकेगा। इधर, विभाग के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। कहा कि विभाग की लापरवाही से लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं जिससे सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पुतला दहन करने वालों में गीता, सुनीता, रेखा आदि रहीं।

रानीखेत में दिखा श्रीलंका का दुर्लभ पक्षी स्ट्रीक थ्रोटेड कठफोड़वा

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। पर्यटन नगरी रानीखेत में पहली बार स्ट्रीक थ्रोटेड कठफोड़वा नजर आया है। क्षेत्र के खनिया के जंगलों में पक्षी प्रेमियों ने इसे देखा। यहां इसकी मौजूदगी से पक्षी प्रेमियों और विशेषज्ञों में खुशी है। रानीखेत के खनिया में पक्षी प्रेमियों ने स्ट्रीक थ्रोटेड कठफोड़वा की तस्वीर अपने कैमरे में कैद की है। भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाने वाली कठफोड़वा की एक प्रजाति है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक यह पक्षी 19 से 21 सेमी लंबा होता है और इसका वजन 83 से 111 ग्राम होता है। यह एक पतला, मध्यम आकार का वुडक्रीपर है जिसकी चोंच लंबी, पतली, मुड़ी हुई होती है। इसका रंग हरा होता है और गले में धारी होती है। यह आम तौर पर दक्षिण भारत के सूखे जंगलों के साथ ही बांग्लादेश, श्रीलंका में पाया जाता है। यह पक्षी चींटियों, दीमकों और अन्य छोटे कीड़ों के साथ ही फूलों का रस और बीज भी भोजन में लेता है । यह अक्सर जमीन पर चारा खोजता है। स्ट्रीक थ्रोटेड कठफोड़वा पेड़ों में छेद कर घोंसला बनाता है। एक प्रजनन काल में यह तीन से पांच अंडे देते हैं। माता-पिता दोनों चूजों को खाना खिलाते हैं।

पारा चढ़ने के साथ ही आग लगने की घटनाएं बढ़ी

नैनीताल/गरमपानी, एजेंसी। गर्मी में पारा चढ़ने के साथ ही जंगल में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई है। जिससे वनाग्नि को काफी नुकसान हो रहा है। रविवार को नलनी कालाढूंगी के पास जंगल में आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग व फायर फाइटर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने लोगों को आग लगने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है। वहीं बेतालघाट ब्लॉक के सीम गांव से लगे कठैल के जंगल में रविवार शाम आग लग गई। आग से वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा है। हवा तेज होने से आग पूरे जंगल में फैल गई। स्थानीय लोग भी जंगल में लगी आग को बुझाने में लगे रहे, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका। स्थानीय लोगों ने कहा कि बेतालघाट के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

जंगल की आग से कार जली

अल्मोड़ा, एजेंसी। नगर के नजदीक टाटिक के पास जंगल में बीते शनिवार आग लग गई। देर रात जंगल की आग आबादी के नजदीक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक देहरादून निवासी इमरान मंसूरी अपनी कार से टाटिक में रहने वाली अपनी बहन के घर आया। उसने घर के नजदीक गैराज में कार पार्क की। देर रात जंगल की आग गैराज तक पहुंच गई और कार जल गई। रविवार सुबह जब वह अपनी कार के पास पहुंचा तो कार का सिर्फ ढांचा नजर आया।

बदरी-केदार में पूजा के लिए छह हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने कराई बुकिंग

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति(बीकेटीसी) को 1.20 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है

देहरादून, एजेंसी। बीकेटीसी ने चारधाम यात्रा के दौरान बदरी-केदार धाम में विशेष पूजा के लिए 15 अप्रैल से ऑनलाइन बुकिंग शुरू की थी।

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में विशेष पूजा पाठ कराने के लिए श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। सात दिन में दोनों धाम में 6,981 श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन पूजा बुकिंग कराई है। इससे बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति(बीकेटीसी) को 1.20 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। बीकेटीसी ने चारधाम यात्रा के दौरान बदरी-केदार धाम में विशेष पूजा के लिए 15 अप्रैल से ऑनलाइन बुकिंग शुरू की थी। देश-दुनिया के श्रद्धालु बीकेटीसी की वेबसाइट पर विशेष पूजा के लिए बुकिंग कर सकते हैं। बीकेटीसी ने पूजा के लिए शुल्क दरें तय की है। सात दिन में 6,981 श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन पूजा की बुकिंग कराई है। इसमें 4,735 श्रद्धालुओं ने बदरीनाथ धाम और 2,246 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम के लिए पूजा बुकिंग की है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने मंदिर समिति में ई-आफिस तथा ऑनलाइन सेवाओं को अपनाने पर जोर दिया है। वेबसाइट समेत पूजा काउंटरों को आधुनिक बनाया गया है। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया, दोनों धामों के लिए ऑनलाइन पूजा बुकिंग से 1.20 करोड़ की राशि मंदिर समिति को प्राप्त हुई है।

बताया, इसमें बदरीनाथ धाम के लिए 82.58 लाख और केदारनाथ धाम के लिए 37.44 लाख की राशि मिली है। बता दें कि पिछले यात्रा वर्ष 2023 में बदरीनाथ धाम में 19,700 लोगों ने पूजा की बुकिंग कराई थी। इसमें मंदिर समिति को 1.55 करोड़ की आमदनी हुई थी, लेकिन इस बार सात दिन में 1.20 करोड़ की राशि ऑनलाइन पूजा बुकिंग से प्राप्त हो चुकी है।

हरिद्वार में तेजी से चढ़ रहा पारा, पहाड़ों में वर्षा के आसार

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क है और पहाड़ से मैदान तक चटख धूप खिल रही है। खासकर मैदानी क्षेत्रों में तपिश और गर्मी बेहाल कर रही है। हालांकि, ज्यादातर क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है। वहीं, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर जिले में पारा तेजी से चढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आज ज्यादातर क्षेत्रों में आंशिक से लेकर घने बादल छाये रह सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा के आसार हैं। मैदानी क्षेत्रों में धूप खिली रहने से लेकर तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है।

प्रदेश में बीते कुछ दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है। ज्यादातर क्षेत्रों में चटख धूप खिलने से पारा भी उछल गया। मैदानी क्षेत्रों में पारा 36 डिग्री सेल्सियस के करीब बना हुआ है। हालांकि, बीते कुछ दिनों में पारे में मामूली गिरावट दर्ज की गई है और ज्यादातर शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है।

मैदानी इलाकों में दिनभर चटख धूप खिलने से चिलचिलाती गर्मी बेहाल कर रही है। हालांकि, आज मौसम का मिजाज बदल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, पर्वतीय क्षेत्रों में बादल छाये रह सकते हैं।

उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ और देहरादून में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। आसपास के ज्यादातर क्षेत्रों में हल्की वर्षा होने के आसार हैं। कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि व झोंकेदार हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

बाबा तरसेम सिंह: फरार हत्यारोपी की तलाश में पंजाब और यूपी में दबिश, सर्बजीत का 25 दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड मामले में फरार चल रहे दूसरे शार्प शूटर सर्बजीत सिंह का 25 दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस टीमें गठित करने की तैयारी चल रही है। बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड मामले में फरार चल रहे दूसरे शार्प शूटर सर्बजीत सिंह का 25 दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस टीमें गठित करने की तैयारी चल रही है। 28 मार्च 2024 को नानकमत्ता में डेरा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड को अंजाम देने वाले शार्प शूटर, तरनतारन, पंजाब निवासी सर्बजीत सिंह अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। जबकि एक शार्प शूटर अमरजीत हरिद्वार में नौ अप्रैल को पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक, फरार शार्प शूटर सर्बजीत सिंह को पकड़ने के लिए कुछ और पुलिस टीमें गठित करने की तैयारी चल रही है। कुछ पुलिस टीमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व यूपी में दबिश दे रही हैं। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि फरार सर्बजीत सिंह की तलाश में लगातार दबिशें दी जा रही हैं।

उत्तराखंड के इस ग्राम प्रधान के नाम एक बड़ी उपलब्धि, 27 को नेपाल में मिलेगा सम्मान; अन्य राज्यों में भी होते आए हैं सम्मानित

डोईवाला, एजेंसी। रानीपोखरी के ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी को 27 अप्रैल में नेपाल के काठमांडू में सम्मानित किया जाएगा। जिससे संबंधित पत्र नेपाल की संस्था डेमसोल की सीईओ नमिता घिमिरे की ओर से ग्राम प्रधान को मिला है। ग्राम प्रधान को यह सम्मान मिलने की जानकारी होने पर स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें शुभकामनाएं दी है। यहां बता दें कि इससे पूर्व भी ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी उत्तराखंड के ऐसे ग्राम प्रधान है जो अन्य राज्यों में भी लगातार सम्मानित होते आए है और राष्ट्रीय कार्यशालाओं में उन्हें विशेष तौर पर बुलाया जाता है। अब नेपाल के काठमांडू में होने जा रहे इस सम्मान समारोह में उन्हें सम्मान मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी ने बताया कि प्रौद्योगिकी उत्कृष्ट पुरस्कार 2024 का आयोजन काठमांडू में किया जा रहा है। जिसमें उन्हें सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने पर प्रदेश से एकमात्र निमंत्रण मिला है। उन्होंने बताया कि इस तरह का सम्मान मिलने से उनमे एक नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार समारोह नेटवर्किंग ज्ञान के आदान-प्रदान और प्रौद्योगिकी व नवाचार से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रयासों की मान्यता के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

भैंस से टकराई बाइक, पति की मौत, पत्नी गंभीर

सितारगंज, एजेंसी। सिडकुल मार्ग पर भैंस से टकराकर बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। इसी दौरान घायल दंपती को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही कार पलट गई जिसमें कार सवार छह लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक ने बाद में दम तोड़ दिया जबकि उसकी पत्नी और कार सवार बाल आयोग की सदस्य सुमन राय व पांच अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

रविवार शाम सिडकुल मार्ग पर कोतवाली क्षेत्र के गांव ढौराडाम निवासी संदीप सिंह (30) पुत्र कुलवंत सिंह पत्नी सीमा के साथ विवाह समारोह में शामिल होने जा रहा था। सिडकुल मार्ग पर उनकी बाइक भैंस से बाइक टकरा गई। हादसे में संदीप और सीमा गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान सामने से आ रही कार चालक ने दोनों घायलों को बचाने की कोशिश की लेकिन वह कार से संतुलन खो बैठा और कार पलट गई जिससे उसमें सवार छह लोग घायल हो गए।

घायल संदीप सिंह को निजी अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया था। देर रात संदीप ने दम तोड़ दिया जबकि सीमा को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को संदीप सिंह का अंतिम संस्कार किया गया।

बताया गया कि संदीप परिवार में इकलौता पुत्र था और उसकी एक साल पहले सीमा से शादी हुई थी। वह परचून की दुकान चलाता था। कार में सवार बाल आयोग की सदस्य सुमन राय निवासी सितारगंज, वंदना चौहान निवासी सिसौना, प्रेम चंद्र गुप्ता, आकाश चौबे, बसंत जोशी निवासी सुप्रिया कॉलोनी और कार चालक राजेश राणा निवासी नकुलिया को उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई है।

लावारिस पशुओं को बिनसर में छोड़ने पर दो गांवों की महिलाओं में मारपीट

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। भतरौंजखान क्षेत्र के लावारिस जानवरों को बिनसर छोड़ने पर दो गांवों की महिलाएं आपस में भिड़ गईं। देखते ही देखते दोनों पक्षों में हाथापाई हो गई। मारपीट में एक गांव की तीन महिलाएं घायल हो गईं। पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। क्षेत्र में लंबे समय से लावारिस मवेशी परेशानी का सबब बने हुए हैं। भतरौंजखान क्षेत्र की 25 से अधिक महिलाएं 50 से अधिक लावारिस जानवरों को लेकर छह किमी दूर रीची गांव तक पहुंची। रीची की महिलाओं ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने बताया कि वे इन मवेशियों को दनपौ गांव से सौनी बिनसर के जंगल में छोड़ने जा रही हैं ताकि ये फसल बर्बाद न करें। अपने गांव के नजदीकी क्षेत्र में लावारिस जानवरों को छोड़ने की बात सुन रीची की महिलाएं गुस्सा उठीं। इस पर दोनों पक्षों में बहस होने लगी। लावारिस जानवरों को क्षेत्र में छोड़ने की सूचना मिलते ही सौनी, देवलीखेत और डाभर की महिलाएं भी रीची पहुंच गई और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। स्थानीय लोगों के किसी तरह बीचबचाव के बाद दोनों पक्षों की महिलाएं लावारिस जानवरों को लेकर 15 किमी दूर भतरौंजखान थाने पहुंच गईं। यहां भी गहमागहमी का माहौल रहा। किसी तरह पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत किया। थाने में महिलाओं के बीच विवाद होता रहा और लावारिस जानवर जंगल की तरफ चल दिए।सोनी, देवलीखेत, रींची क्षेत्र की महिलाएं लावारिस मवेशियों को लेकर थाने पहुंच गईं। उनका आरोप था कि भतरौंजखान क्षेत्र की महिलाएं लावारिस मवेशियों को बिनसर जंगल में छोड़ने आई थीं, इसका रीची में विरोध हुआ।

नगर निगम में दिया था वोट, लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची से नाम गायब

ऋषिकेश, एजेंसी। वार्ड संख्या 12 प्रगति विहार की मतदाता सूची में कई मतदाताओं के नाम गायब हैं। इस सूची में मतदाताओं की संख्या 854 दर्शायी गई हैं। जबकि नगर निगम के चुनाव में वार्ड में मतदाताओं की संख्या करीब 1600 है।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची में कई मतदाताओं के नाम नहीं होने पर आक्रोश जताया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नगर निगम चुनाव की मतदाता सूची में शामिल कई मतदाताओं के नाम लोकसभा की सूची से हटा दिए। सूची में अनियमितता होने से प्रगति विहार वार्ड समेत विधानसभा के कई वार्डों के लोग अपने वोट का प्रयोग नहीं कर सके।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील प्रशासन के माध्यम से डीएम देहरादून को ज्ञापन भेजा है। मतदाता सूची को दुरुस्त कर लापरवाही करने वाले बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष व प्रगति विहार के निवर्तमान पार्षद राकेश सिंह ने बताया कि वार्ड संख्या 12 प्रगति विहार की मतदाता सूची में कई मतदाताओं के नाम गायब हैं। इस सूची में मतदाताओं की संख्या 854 दर्शायी गई हैं। जबकि नगर निगम के चुनाव में वार्ड में मतदाताओं की संख्या करीब 1600 है। निर्वाचन आयोग के अधीनस्थ कर्मचारियों की लापरवाही के कारण लोकसभा में कई मतदाता वोट नहीं डाल पाए। आगामी नगर निगम चुनाव में भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित रह सकते हैं। ऐसे में सूची को दुरुस्त किया जाए। कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार सुशीला नौटियाल के माध्यम से डीएम देहरादून सोनिका को शिकायती पत्र भेजा। मतदाता सूची अपडेट नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए घातक है प्लास्टिक

पंतनगर, एजेंसी। वरदान समझा जाने वाला प्लास्टिक पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन गया है। यह जल, मृदा और वायु के साथ मिलकर पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद के वैज्ञानिक डॉ. मणिंद्र मोहन ने बताया कि प्लास्टिक के आर्थिक व सामाजिक लाभ सहित कई महत्वपूर्ण उपयोग हैं। लेकिन इसके गंभीर पर्यावरणीय व स्वास्थ्य संबंधित परिणाम देखने को मिल रहे हैं। शोध से पता चला है कि प्लास्टिक के माइक्रो व नैनो पार्टिकल्स सांस व आंत से अवशोषित होकर शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे लीवर, गुर्दा, फेफड़ा, प्लीहा, ब्रेन एवं ब्लड तक पहुंच रहे हैं। एक अध्ययन में नवजात शिशुओं के प्लेसेन्टा में माइक्रो प्लास्टिक के मौजूदगी का पता चला है। एक अध्ययन में बताया गया है कि प्लास्टिक के सूक्ष्मकण यानी नैनो प्लास्टिक मस्तिष्क में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले एक विशेष प्रोटीन के संपर्क में आकर पार्किंसन रोग के खतरे को बढ़ाता है।

पंतनगर। डॉ. मनिंद्र ने बताया कि प्लास्टिक का सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन से भी है। प्लास्टिक तेल और गैस से उत्पन्न होता है। जबकि तेल व गैस दोनों ही जीवाश्म ईंधन हैं। अधिक प्लास्टिक उत्पादन के लिए अधिक जीवाश्म ईंधन का उपयोग पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैसों की बढ़ोतरी करता है, जो जलवायु परिवर्तन का कारण बनता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच रहा है।

पंतनगर। प्लास्टिक को लेकर तथ्य चौकाने है। प्लास्टिक आसानी से उपलब्ध होने के कारण मानव इसका आदि हो चुका है। दुनियाभर में हर मिनट दस लाख प्लास्टिक की बोतलें खरीदी जाती है, जबकि हर साल दुनिया भर में 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसमें से आधा सिंगल यूज प्लास्टिक होता है। विश्व स्तर पर उत्पादित प्लास्टिक कचरे में से 10 फीसदी से भी कम का ही पुनर्चक्रण किया जा सका है। जबकि लाखों टन प्लास्टिक कचरा पर्यावरण में नष्ट हो जाता है।

जलापूर्ति ठप रहने से 15 हजार लोग परेशान

टैंकरों से बुझाई प्यास

अल्मोड़ा, एजेंसी। गर्मी बढ़ने से जलस्रोत सूखने लगे हैं, इसका असर पेयजल योजनाओं पर पड़ रहा है। जल संस्थान के मुताबिक जिले भर में 450 से अधिक जल स्रोतों का जलस्तर 50 से 60 प्रतिशत तक घट गया है। इन जल स्रोतों से संचालित पेयजल योजनाओं से जलापूर्ति घट गई है, इससे लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। हवालबाग, लमगड़ा, धौलादेवी विकासखंड के कई गांवों में जलापूर्ति ठप रहने से 15 हजार से अधिक की आबादी परेशान रही।

नल सूखे रहे और टैंकरों से उनकी प्यास बुझी।

गर्मी बढ़ने से जल स्रोतों पर पानी कम हो गया है, इससे पेयजल आपूर्ति पटरी से उतर गई है। रविवार को जिले के तोली, मौनी, नगरखान, बल्टा, डीनापानी, गद्योली, डाक बंगला आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति ठप रही। क्षेत्र की 15 हजार से अधिक की आबादी पानी के लिए जूझती रही। नल में जल नहीं टपकने से लोगों को प्राकृतिक जल स्रोतों और हैंडपंप की दौड़ लगानी पड़ी। सूचना के बाद जल संस्थान ने प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर, पिकअप, डंपरों से पानी बांटकर लोगों को राहत पहुंचाई। ग्रामीणों ने कहा कि करोड़ों की पेयजल योजनाओं के बाद भी उन्हें इनसे पीने का पानी नसीब नहीं हो रहा है। यह समस्या हर दिन गंभीर होते जा रही है। वहीं जल संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि कई योजनाएं निर्माणाधीन हैं तो कई योजनाओं में जलस्तर घटने से पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो रही।